

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

20 जून

- 1. विश्व शरणार्थी दिवस-** विश्व भर में शरणार्थियों की स्थिति की ओर ध्यान आकर्षण तथा उनके समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र ने दिसम्बर 2000ई. में प्रतिवर्ष 20 जून को विश्व शरणार्थी दिवस मनाने की घोषणा किया था।
- 2. काल कोठरी की घटना-** 20 जून, 1756 ई. को काल कोठरी की घटना हुई थी, जिसमें 146 अंग्रेजों को बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला के आदेश पर 18 फीट लम्बी और 14 फीट 10 इंच चौड़ी कोठरी में बंद कर दिया गया था। जून की गर्मी के कारण उनमें 123 व्यक्ति दम घुटने से मर गये। शेष बचे 23 अंग्रेजों को वापस कर दिया गया।
 - **संदर्भ:** वर्ग 8, इतिहास की पुस्तक 'अतीत से वर्तमान भाग-3', अध्याय 2 से जोड़कर चर्चा करें।
- 3. अंतर्राष्ट्रीय माप-तौल ब्यूरो स्थापना-** 20 जून, 1875 ई. को 17 यूरोपीय देशों ने मीटर संधि पर हस्ताक्षर कर मात्रक एवं मानक स्थापित करके मापतौल की एकसमान पद्धति विकसित करने के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय नाप-तौल ब्यूरो' की स्थापना की। इसका मुख्यालय पेरिस के निकट सेवरेस में है।
 - **संदर्भ:** वर्ग 9 भौतिकी शास्त्र के अध्याय 'मापन'
- 4. सलीम अली का निधन-** सलीम मुईनुद्दीन अब्दुल अली एक प्रसिद्ध भारतीय पक्षी विज्ञानी और प्रकृतिवादी थे। इन्हें 'बर्ड मैन ऑफ इंडिया' के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें वर्ष 1958 में 'पद्म भूषण' व वर्ष 1976 में भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। भरतपुर पक्षी विहार की स्थापना में उनकी प्रमुख भूमिका रही। इनका निधन 20 जून, 1987 ई. को मुम्बई में हुआ था। उन्होंने 'द बुक ऑफ इंडियन बर्ड्स' (1941) और 'हैण्डबुक ऑफ द बर्ड्स ऑफ इंडिया एण्ड पाकिस्तान', 'द फाल ऑफ ए स्पैरो' नामक पुस्तकें भी लिखी।
- 5. बर्लिन एकीकृत जर्मनी की राजधानी बनी-** 20 जून, 1991 को बर्लिन को एकीकृत जर्मनी की राजधानी घोषित किया गया था। इसके लिए संसद में मतदान हुआ, जिसमें प्रस्ताव के पक्ष में 338 और विरोध में 320 वोट पड़े थे। 1990 में जर्मनी के एकीकरण के बाद से ही बॉन की जगह बर्लिन को राजधानी बनाने पर बहस शुरू हो गयी थी। पहले जर्मनी की राजधानी बॉन हुआ करती थी। इस फैसले के साथ ही सरकार और संसद बॉन से बर्लिन चली गयी, लेकिन छह मंत्रालय बॉन में ही रहे, जिनमें रक्षा और कृषि मंत्रालय भी थे। इस निर्णय को लागू करने में आठ साल लग गये और 199 में राजधानी पूरी तरह से बर्लिन चली गयी।



F
r
i
d
a
y





दिवस विशेष

20 जून



मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी दिवस 20 जून



दुनियाभर में शरणार्थियों की शक्ति और साहस को सम्मानित करने के लिए हर वर्ष दुनिया भर में 20 जून को अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा शरणार्थियों को उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए मनाया जाता है। इस दिन शरणार्थियों की मदद की जाती है। तथा लोगों को उनकी स्थिति के बारे में जागरूक किया जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य उन शरणार्थियों की ताकत को पहचानना है जो शरण पाने और बेहतर जीवन जीने की उम्मीद में अपने देश के संघर्ष और उत्पीड़न से भाग गए हैं। विश्व शरणार्थी दिवस उनकी दुर्दशा के लिए समझ की अवधारणा का निर्माण करता है जो उनके भविष्य के पुनर्निर्माण में उनके लचीलेपन और साहस को दर्शाता है। यह दिन सभी के लिए शरणार्थियों के समुदायों की समृद्ध विविधता का अनुभव करने, समझने और जश्न मनाने का अवसर है। रंगमंच, नृत्य, फिल्म और संगीत जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य शरणार्थी सामुदायिक संगठनों, स्वैच्छिक और वैधानिक संगठनों, स्थानीय परिषदों और स्कूलों को इस कारण का सम्मान करने के लिए सप्ताह के दौरान कार्यक्रमों की मेजबानी करने की अनुमति देना है। विश्व शरणार्थी दिवस विश्व शरणार्थी सप्ताह के माध्यम से भी मनाया जाता है और इसे शरण चाहने वालों और शरणार्थियों को उस समुदाय द्वारा देखे, सुने और मूल्यवान बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसमें वे रह रहे हैं। विश्व शरणार्थी दिवस हर वर्ष एक नए थीम के साथ मनाया जाता है।



Teachers of Bihar

The change makers

जन्मदिन विशेष 20 जून

राकेश कुमार



नाटी सशक्तिकरण की सशक्त हस्ताक्षर
मा. राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई

द्रौपदी मुर्मु

Draupadi Murmu, जन्म- 20 जून,

1958, मयूरभंज, ओडिशा) भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वह भारत की 15वीं राष्ट्रपति बनी हैं। वह 25 जुलाई, 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेंगी। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं।



www.teachersofbihar.org



Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 20.06.2024

ओनोमेटोपोइया

ओनोमेटोपोइया एक ऐसा तरीका है जिससे एक कवि कविता में ध्वनियाँ पैदा कर सकता है। ओनोमेटोपोइया एक ऐसा शब्द है जो वास्तव में उस ध्वनि जैसा दिखता है जो वह बनाता है, और जब हम पढ़ते हैं तो हम लगभग उन ध्वनियों को सुन सकते हैं।



www.teachersofbihar.org



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

असम सरकार ने राज्य में बड़ा फैसला लेते हुए वीआईपी ट्रीटमेंट (VIP Treatment) बंद कर दिया है। इसी के साथ राज्य में हर व्यक्ति को जुलाई से बिजली बिल देना होगा चाहे वो कोई मिनिस्टर (Minister) हो या फिर कोई पब्लिक सर्वेंट।





Today's Quiz



Quiz Number 421

समेरू सक्रिय ज्वालामुखी
कहां स्थित हैं ?

A. पापुआ न्यू गिनी

B. हवाई द्वीप

C. इंडोनेशिया

D. जापान



सही उत्तर: C

www.teachersofbihar.org



TOB बूझो तो जानें...



सुंदर-सुंदर ख्वाब दिखाती, पास सभी के रात में
आती, थके मान्दे को दे आराम, जल्द बताओ
उसका नाम बुझो तो जानें ?



www.teachersofbihar.org





TOB

खेल कॉर्नर

राकेश कुमार



महत्वपूर्ण खेल कप और ट्रॉफियां (राष्ट्रीय)

बेयटन कप	हॉकी	1895
एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप	हॉकी	1901*
ओबाईदुला खान कप	हॉकी	1931
सुब्रोतो कप	फुटबॉल	1960
डुरंड कप	फुटबॉल	1888
संतोष ट्रॉफी	फुटबॉल	1941
रोवर्स कप	फुटबॉल	1891\$
रणजी ट्रॉफी	क्रिकेट	1934
दुलीप ट्रॉफी	क्रिकेट	1961-62
ईरानी ट्रॉफी	क्रिकेट	1959-60
देवधर ट्रॉफी	क्रिकेट	1973-74
विजय हजारे ट्रॉफी	क्रिकेट	2002-03

* मूल रूप से 1901 में मद्रास चैलेंज कप के नाम से शुरू हुआ और बाद में इसका नाम मद्रास क्रिकेट क्लब के पहले भारतीय अध्यक्ष ए० एम० एम० अरुणाचलम के नाम पर रखा गया। 90 के दशक में इसका नाम एमसीसी-मुरुगप्पा गोल्ड कप रखा गया।

\$ रोवर्स कप का टूर्नामेंट आखिरी बार 2000-01 में आयोजित किया गया था।



भारत की 15वीं और वर्तमान
राष्ट्रपति के रूप में सेवारत एक
भारतीय राजनीतिज्ञ
द्रौपदी मुर्मू

के जन्मदिवस पर टीचर्स
ऑफ बिहार परिवार उनके
स्वास्थ्य और उज्ज्वल
भविष्य की कामना करता है।

20 जून 1958



Madhu priya



विश्व शरणार्थी दिवस



20 जून 2023



विश्व शरणार्थी दिवस

का उद्देश्य एक अधिक समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण दुनिया को बढ़ावा देना है जो सभी व्यक्तियों की गरिमा और कल्याण को कायम रखे।
आइए हम सब मिलकर एकजुटता से इसके लिए जागरुक बनें।

Madhu priya



20 जून 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को अपने
अस्तित्व के संघर्ष के लिए तैयार करती है ।

स्वामी विवेकानंद जी



राकेश कुमार



www.teachersofbihar.org